• हाईकोर्ट...

अधिकारियों की अयोग्यता को जिम्मेदार ठहराया

शिमला : प्रदेश हाईकोर्ट ने अदालतों में मामलों के लंबित पड़े रहने के लिए सरकारी अधिकारियों की लापरवाही और अयोग्यता को जिम्मेदार ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अधिकारी अपने कंधो पर जिम्मेवारी लेने की बजाए कोर्ट के आदेशों की राह देखते रहते हैं जिस कारण सामान्य जनता को कोर्ट का रुख करने पर मजबूर होना पड़ता है। इतना ही नहीं नकारा और लापरवाह अधिकारी अदालती आदेशों की अनुपालना समय पर न कर अदालतों का बोझ बढ़ा रहे हैं। न्यायाधीश संदीप शर्मा ने तहसीलदार आनी को एडीएम मंडी द्वारा दिए गए आदेशों पर एक साल तक अमल न करने पर गंभीरता से लेते हुए उक्त टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा कि आए दिन अदालतों में लंबित मामलों को लेकर टीका टिपण्णीयां होती रहती है परंतु आज तक किसी ने इस तथ्य को लेकर गौर नहीं किया कि लापरवाह और अयोग्य अधिकारीयों की वजह से कोर्ट में मामलों की संख्या बढ़ती जा

रही है। जिन अधिकारियों को जनता या कर्मचारियों के मामलों को निपटाने हेतु न्यायिक शक्तियां प्रदान की गई है, वे अपने कन्धों पर जिम्मेदारी नहीं ले पाते और अदालत के आदेशों का इंतजार करते रहते हैं। इससे छोटे-छोटे मुद्दों को लेकर भी सामान्य जनता को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। कोर्ट ने इन आदेशों की प्रतिलिपि मुख्य सचिव को भेजने के आदेश भी दिए, ताकि वह इस संदर्भ में जरूरी प्रशासनिक आदेश जारी कर सके। मामले के अनुसार एडीएम कोर्ट ने 22 दिसम्बर 2022 को तहसीलदार आनी को आदेश जारी किए थे कि वह एक महिला को जारी आय प्रमाण पत्र को पुन: वेरिफाई करें। वेरिफिकेशन 7 मई 2022 तक की जानी थी, परंतु आज तक तहसीलदार आनी ने इस आदेश की अनुपालना नहीं की जिस कारण प्रार्थी को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। हाई कोर्ट ने तहसीलदार आनी को आदेश जारी किए कि वह दो दिनों के भीतर एडीएम मंडी के आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित कर रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष पेश करे।

• संपादकीय...

विश्व गौरैया दिवस

एक समय था, जब सुबह-सवेरे गौरैयों की सुरीली चहचहाहट से नींद टूटती थी। चिकने, गोल सिर और काले भूरे धारी दार पंखों वाली नन्हीं गौरैया हर किसी का प्रिय पक्षी है। लेकिन पर्यावरण, एवं अन्य कई कारणों से यह पक्षी भी गुम होने की कगार पर है। गौरैया की निरंतर खत्म होती प्रजाति को ध्यान में रखते हुए दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। गौरैया या घरेलू गौरैया दुनिया के लगभग हर महाद्वीप में पाई जाती है। गौरैया पृथ्वी पर सबसे आम और सबसे पुरानी पक्षी प्रजातियों में से एक है। तेजी से से विलुप्त होती गौरैया इस बात का संकेत है कि हमारे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। ऐसे में हमें इसके संरक्षण के लिए आगे आना होगा। इमें गौरैया के संरक्षण के बारे में सोचना होगा। क्योंकि प्रकृति ने जो कुछ भी रचा वह सब हमारे अस्तित्व का हिस्सा है। अगर ये दुनिया से खत्म हो जाएगा तो मानव जीवन भी खत्म होने में देरी नहीं लगेगी। प्यारी गौरैया को बचाने के लिए हमसब को मिलकर जन जागरण अभियान चलाकर इस पहल करने की जरूरत हैं। अगर आज हम गौरैया को बचाने में सफल होते हैं तो पर्यावरण के साथ-साथ हमारी आने वाली पीढ़ियां गौरैया की चहचहाहट सुन पाएंगी। एक छोटे से प्रयास से हम दुनिया से खत्म होती गौरैया को बचा सकते हैं। गौरैया के लिए आप अपने घर की छत पर दाना रख। आप अगर रोज ऐसे करते हैं तो एक दिन ऐसा भी आएगा जब आपकी सुबह पक्षियों की चहचहाहट के साथ सुबह होगी। दाना के साथ पानी भी जरूर रखें। आस-पास पेड़ पौधा भी लगाए। अगर घर में गार्डन है तो आप अच्छे से पक्षियों की देखभाल कर सकते हैं। गौरैया समेत अन्य पक्षियों हरियाली को देखकर खुद चली आती है

■ **अनल पत्रवाल**
संपादक, हिमाचल अभी अभी

मालवाहक वाहनों नहीं आएंगे श्रद्धालु

❖ खाद्य सामग्री की जांच के लिए संबंधित विभागीय के अधिकारियों को दिए निर्देश

❖ सख्ती से निपटा जाएगा भिखारियों की समस्या से

● **सुनैना जसवाल/ऊना**

मैड़ी स्थित डेरा बाबा बडभाग सिंह में 17 मार्च से होली मेला शुरू होगा। 25 मार्च को निशान साहिब (झंडा चढ़ाने) की रस्म अदा की जाएगी। जबकि 27 मार्च की मध्यरात्रि को पंजा प्रसाद वितरित किया जाएगा। मेले के सफल आयोजन को लेकर वीरवार को एडीसी की अध्यक्षता में बचत भवन अंब में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों से आपसी तालमेल स्थापित करके मेले को सफल बनाने का आग्रह किया।

महेंद्र पाल गुर्जर ने बताया मैड़ी मेले के सफल आयोजन को लेकर गुरुद्वारा प्रबंधन, स्थानीय पंचायत समिति, पंचायत प्रधान सहित विभिन्न विभागों के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं। पुलिस व यातायात प्रबंधन सहित स्वच्छता, विद्युत, पेयजल प्रबंधन को लेकर सभी एजेंसियों की जिम्मदारियां तय की गई हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला क्षेत्र में मैडिकल पोस्ट भी उपलब्ध रहेगी। मेले के दौरान एडीसी ऊना मेला अधिकारी और एसडीएम अंब सहायक मेला अधिकारी होंगे जबकि एएसपी ऊना पुलिस मेला अधिकारी और डीएसपी अंब सहायक पुलिस मेला अधिकारी होंगे।

एडीसी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से पूरे मेला क्षेत्र को 10 सैक्टरों में बांटा जाएगा और प्रत्येक सैक्टर में एक-एक सैक्टर मैजिस्ट्रेट तथा एक-एक सैक्टर पुलिस ऑफिसर की तैनाती की जाएगी। मेले के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस व होमगार्ड के 1700 जवान तैनात होंगे।

एडीसी ने कहा कि मेले के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के पर्याप्त अस्थाई शौचालयों का निर्माण किया जाएगा तथा जगह-जगह कूड़ेदान तथा इनके रखरखाव के लिए अस्थाई सफाई कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मेला परिसर की सफाई करने अस्थाई सफाई कर्मचारी मेले के समापन्न के तीन दिन बाद तक मेला परिसर में रहेंगे ताकि मेला क्षेत्र परिसर की पूर्ण सफाई सुनिश्चित की जा सके। मेले के दौरान स्वच्छ व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए आईपीएच विभाग को पानी का क्लोरीनेशन तथा समय-समय पर पानी के सैंपल लेने के भी निर्देश दिए। मेले के दौरान किसी भी तरह की आग इत्यादि की घटना से निपटने के लिये अग्निशमन वाहन भी तैनात रहेगा। उन्होंने कहा कि आग्जनी की घटनाओं से निपटने के लिए हाइडेंउटस का पूर्ण निरीक्षण करना सुनिश्चित करें।

महेंद्र पाल गुर्जर ने कहा कि मेले के दौरान लंगर लगाने से पूर्व एसडीएम अंब से अनुमति लेनी अनिवार्य होगी। उन्होने मेले के दौरान परोसी जाने वाली खाद्य सामग्री की जांच के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के भी निर्देश दिए। मेले के दौरान भिखारियों की समस्या से भी सख्ती से निपटा जाएगा। इसके लिए उन्होने संबंधित गुरुद्वारा प्रबंधकों से भी प्रशासन को अपना पूरा सहयोग प्रदान करने का आहवान किया ताकि मेले को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाया जा सके।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास रहेगा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र में सभी प्रकार की सुविधाएं मिलें। इसके अलावा मालवाहक वाहनों में श्रद्धालुओं के आने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा जिसे लागू करने के लिए मेला समिति द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गुरुद्वारों के माध्यम से भी संगत को मालवाहक वाहन में न आने का संदेश दिया जाएगा। इसके अलावा पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों से भी आग्रह किया जा रहा है कि ऐसे मालवाहक वाहनों के माध्यम से आने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही को उनके स्तर पर ही पूर्ण प्रतिबंधित करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि जान को जोखिम में डालकर मालवाहक वाहनों में सफर करने से परहेज करें। श्रद्धालु मेला में आने से पूर्व बसों के स्पेशल परमिट जारी करवाकर बसों में ही मेले में पहुंचें। प्रशासन द्वारा वाहन पार्किंग के लिए समुचित पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी तथा पार्किंग स्थल पर फ्लड लाईटस भी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वाहनों की पार्किंग के लिए अस्थाई बस स्टैंड बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मालवाहक वाहनों में आने पर पुलिस प्रशासन द्वारा दोषी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

एडीसी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हिन्दी व पंजाबी भाषा में जगह-जगह साईन बोर्ड भी स्थापित किए जाएंगे।

एडीसी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से पूरे मेला क्षेत्र को 10 सैक्टरों में बांटा जाएगा और प्रत्येक सैक्टर में एक-एक सैक्टर मैजिस्ट्रेट तथा एक-एक सैक्टर पुलिस ऑफिसर की तैनाती की जाएगी।

मेले के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस व होमगार्ड के 1700 जवान तैनात होंगे। एडीसी ने कहा कि मेले के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के पर्याप्त अस्थाई शौचालयों का निर्माण किया जाएगा...

• तोहफा...

केवल सिंह पठानिया मुख्य सचेतक नियुक्त

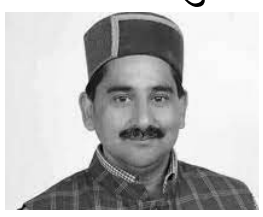

शिमला : विधानसभा में शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है। विधानसभा सचेतक के तौर पर केवल सिंह पठानिया को वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाएं अधिनियम 2018 के तहत प्रदान की जाएंगी। इस संबंध में अधिसूचना विधानसभा की तरफ से जारी की गई है। विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा ने बताया कि यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। केवल सिंह पठानिया कांगड़ा से हैं। सरकार के इस कदम को कांगड़ा में नई नियुक्ति के तौर पर भी देखा जा रहा है। अब यहां दो मंत्री, पर्यटन निगम के अध्यक्ष, दो सीपीएस और एक मुख्य सचेतक की नियुक्ति हो गई है। कांगड़ा संसदीय सीट की बात करें तो चंबा से विधानसभा अध्यक्ष भी इसी सीट से आते हैं। मुख्य सचेतक की नियुक्ति के साथ ही सरकार ने कांगड़ा के साथ भेदभाव की बातों पर नकेल कसने का भी काम किया है। केवल सिंह पठानिया पहली बार विधायक बने हैं। धर्मशाला के विधायक की बगावत का उन्हें बड़ा फायदा सुक्खू सरकार ने दिया है। धर्मशाला के इर्द-गिर्द अहम ओहदों का बंटवारा हो गया है। इनमें नगरोटा बगवां में आरएस बाली पर्यटन निगम के अध्यक्ष हैं, तो पालमपुर के विधायक आशीष बुटेल और बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल मुख्य संसदीय सचिव बनाए गए हैं।

• चोरी हुई कार मोहाली में बरामद...

■ *हमीरपुर के मक्कड़ गांव से चोरी की गई टाटा इंडिगो कार को स्थानीय पुलिस ने मोहाली से बरामद करने में सफलता हासिल की है। कार को 12 मार्च को मक्कड़ से चोरी किया था। पुलिस चौकी भोटा में कार चोरी का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने इसे ढूंढने के लिए अपनी गतिविधियां तेज कर दी थीं। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर पुलिस ने इस चोरी हुई कार को मोहाली से बरामद कर लिया है। अभी तक इस कार के चोरों का पुलिस को अभी तक कोई भी सुराग हाथ नहीं लग पाया है।*